मुक्त आवाजाही व्यवस्था

प्रलिम्सि के लयि:

मुक्त आवाजाही व्यवस्था (Free Movement Regime - FMR) , म्याँमार में मुद्दे, यंदाबू की संधि, भारत की एक्ट ईस्ट नीति, मणपिुर, म्याँमार की सीमा से लगे भारत के राज्य, मैत्री संधि, 1951, कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजटि ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट।

मेन्स के लयि:

FMR पर पुनर्वचिार के संभावति कारण, भारत-म्याँमार संबंधों के प्रमुख पहलू, भारत के सीमा मुद्दे।

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

म्याँमार के साथ मुक्त आवाजाही व्यवस्था (Free Movement Regime - FMR) समझौते की समीक्षा करने और भारत-म्याँमार सीमा पर बाड़ लगाने की भारत की हालिया योजनाओं पर वशिष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों में चर्चा शुरू हुई है।

- इस नरि्णय का उद्देश्य **ऐतहािसकि, सांस्कृतकि** और **सुरक्षा वचिारों** के जटलि अंतर्संबंध को संबोधति करना है।

मुक्त आवाजाही व्यवस्था (Free Movement Regime) क्या है?

- **ऐतहािसकि परपि्रेक्ष्य:**
  - **वर्ष 1826 में** यंदाबू की संधि द्वारा वर्तमान भारत-म्याँमार सीमा स्थापति होने तक भारत का अधकिांश पूर्वोत्तर क्षेत्र बर्मा के कब्ज़े में था।
    - **यंदाबू की संधि** पर ब्रटिशि की ओर से जनरल **सर आर्चीबाल्ड कैंपबेल** और बर्मा की ओर से लेगिंग के गवर्नर महा मनि हला क्याव हतनि (Maha Min Hla Kyaw Htin) ने हस्ताक्षर कयि।
      - **इससे प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध (1824-1826) समाप्त हुआ।**
  - हालाँकि सीमा ने साझा जातीयता और संस्कृति वाले समुदायों को उनकी सहमति के बनिा अलग कर दयिा, जनिमें नगालैंड तथा मणपिुर में नागा, साथ ही मणपिुर एवं मज़िोरम में **कुकी-चनि-मज़िो समुदाय** शामलि थे।
  - वर्तमान में भारत और म्याँमार मणपिुर, **मज़िोरम, नगालैंड** और **अरुणाचल प्रदेश** में 1,643 कमिी लंबी सीमा साझा करते हैं, जसिमें से केवल 10 कमिी. मणपिुर में बाड़ लगाई गई है।
- **मुक्त आवागमन व्यवस्था:**
  - FMR की स्थापना वर्ष **2018** में भारत की एक्ट ईस्ट पॉलसिी के हसि्से के रूप में की गई थी, जो बनिा वीजा के 16 कमिी. तक सीमा पार आवाजाही को बढ़ावा देता है।
    - सीमा पर रहने वाले **व्यक्तयिों को पड़ोसी देश में दो सप्ताह तक रहने के लयि एक वर्ष के सीमा पास** की आवश्यकता होती है।
  - इसका उद्देश्य **स्थानीय सीमा व्यापार** को सुवधिाजनक बनाना, सीमावर्ती नवािसयिों के लयि शकि्षा और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार करना तथा राजनयकि संबंधों को मज़बूत करना है।
- **FMR पर पुनर्वचिार के संभावति कारण:**
  - **सुरक्षा संबंधी चतिाएँ:**
    - **घुसपैठ में वृद्धि:** अवैध अप्रवासयिों, वशिष रूप से **चनि, नागा समुदायों और म्याँमार से रोहगि्याओं** की आमद के बारे में चतिाएँ पैदा हुई हैं, जसिसे संसाधनों पर संभावति दबाव पड़ रहा है तथा स्थानीय जनसांख्यकिी प्रभावति हो रही है।
    - **नशीली दवाओं और हथयिारों की तस्करी:** छद्रिपूर्ण सीमा दवाओं और हथयिारों की अवैध **आवाजाही को सुवधिाजनक** बनाती है, जसिसे भारत की आंतरकि सुरक्षा को खतरा होता है तथा अपराध को बढ़ावा मलिता है।
      - मुख्यमंत्री कार्यालय के आँकड़ों के अनुसार, 2022 में, मणपिुर में नारकोटकि ड्रग्स एंड साइकोट्रोपकि सबस्टेंस

(NDPS) अधिनियम के तहत 500 मामले दर्ज किये गए और 625 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

- **उग्रवादी गतिविधियाँ:** पूर्वोत्तर भारत में सक्रिय **विद्रोही समूहों** द्वारा FMR का दुरुपयोग किया गया है, जिससे उन्हें आसानी से सीमा पार करने और कब्ज़े से बचने की अनुमति मिलती है।
  - जैसे मणिपुर में कुकी नेशनल ऑर्गनाइज़ेशन (KNO) और कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी-लाम्फेल (KCP-लाम्फेल)।
- **सामाजिक-आर्थिक और क्षेत्रीय मुद्दे:**
  - **सांस्कृतिक पहचान पर प्रभाव:** सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वदेशी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के बारे में चिंताएँ मौजूद हैं, **संभावित रूप से बढ़ते प्रवासन से खतरा** है।
  - **पर्यावरणीय गिरावट:** सीमा क्षेत्रों पर निर्वनीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अवैध निष्कर्षण/दोहन को अनियंत्रित सीमा पार आवाजाही के लिये ज़िम्मेदार ठहराया जाता है।
  - क्षेत्रीय आवाजाही (**Regional Dynamics**): म्याँमार में चीन का बढ़ता प्रभाव और सीमा सुरक्षा पर इसका संभावित प्रभाव स्थिति में जटिलता का एक और कारण बन गया है।

भारत-म्याँमार संबंधों के प्रमुख पहलू क्या हैं?

//

- **ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध:** भारत और म्याँमार का सदियों पुराना एक लंबा इतिहास है, जिसमें बौद्ध धर्म का सांस्कृतिक और धार्मिक गहन संबंध निहित हैं।
  - मैत्री संधि, 1951 उनके राजनयिक संबंधों का आधार है।
- **आर्थिक सहयोग: भारत, म्याँमार का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और यहाँ निवेश का एक प्रमुख स्रोत है।**
  - भारत म्याँमार में जिन परियोजनाओं में शामिल रहा है उनमें कलादान मल्टीमॉडल ट्रांज़िट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट, **त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना** और **बागान में आनंद मंदिर का जीर्णोद्धार तथा संरक्षण (2018 में पूरा हुआ)** सम्मिलित हैं।
- **आपदा राहत: भारत ने म्याँमार में चक्रवात मोरा (वर्ष 2017), शान राज्य में भूकंप (वर्ष 2010) और वर्ष 2017 के जुलाई-अगस्त में** यांगून में इन्फ्लूएंजा वायरस **के प्रकोप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के बाद सहायता प्रदान करने में त्वरित तथा प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी है।**

आगे की राह

- **साझा हितों पर फोकस: बुनियादी ढाँचे, ऊर्जा और व्यापार** जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग जारी रखने तथा विस्तार करने से दोनों देशों को फायदा हो सकता है, जिससे राजनीतिक मतभेदों से परे गहरे संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।
  - साथ ही, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, **धार्मिक पर्यटन** को प्रोत्साहित करने से दोनों देशों के लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ावा मिल सकता है।
- **व्यापक सीमा प्रबंधन:** भारत को सीमा प्रबंधन के लिये एक व्यापक तथा संतुलित दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है जो **म्याँमार के साथ वैध सीमा पार गतिविधियों को सुविधाजनक बनाते हुए सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान** प्रस्तुत करे।
- **लोकतंत्रात्मक परिवर्तन का समर्थन:** म्याँमार में भारत की भागीदारी का लक्ष्य अंततः म्याँमार के लोकतंत्र में शांतिपूर्ण परिवर्तन का समर्थन करना होना चाहिये, भले ही प्रक्रिया धीमी और चुनौतीपूर्ण हो।
  - एक स्थिर तथा लोकतंत्रात्मक म्याँमार **क्षेत्रीय स्थिरता एवं समृद्धि** के लिये भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है जो इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्य बनाता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. सीमा प्रबंधन वभिाग नम्निलखिति में से कसि केंद्रीय मंत्रालय का एक वभिाग है? (2008)

(a) रक्षा मंत्रालय

(b) गृह मंत्रालय
(c) नौवहन, सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय
(d) पर्यावरण और वन मंत्रालय

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. भारत की आंतरकि सुरक्षा के लयि बाह्य राज्य और गैर-राज्य कारकों द्वारा प्रस्तुत बहुआयामी चुनौतियों का वशि्लेषण कीजयि। इन संकटों का मुकाबला करने के लयि आवश्यक उपायों पर भी चर्चा कीजयि। (2021)

प्रश्न. प्रभावी सीमावर्ती क्षेत्र प्रबंधन हेतु हसािवादयिों को स्थानीय समर्थन से वंचति करने के आवश्यक उपायों की ववििचना कीजयि और स्थानीय लोगों में अनुकूल धारणा प्रबंधन के तरीके भी सुझाइये। (2020)

प्रश्न. दुर्गम क्षेत्र एवं कुछ देशों के साथ शत्रुतापूर्ण संबंधों के कारण सीमा प्रबंधन एक कठनि कार्य है। प्रभावशाली सीमा प्रबंधन की चुनौतियों एवं रणनीतियों पर प्रकाश डालयि। (2016)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/free-movement-regime